2021

(Held in 2022)

HINDI

Paper : HIN-RE-5026

(हिन्दी की राष्ट्रीय काव्यधारा)

(Regular Elective)

Full Marks : 80

Time : 3 hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में दीजिए : 1×10=10

(क) राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त का जन्म किस ईस्वी को हुआ था?

(ख) 'भारत का यह रेशमी नगर' शीर्षक कविता के रचयिता कौन हैं?

(ग) "मरो परन्तु यों मरो कि याद जो करें सभी।" यह पंक्ति किस कविता की है?

(घ) पं० माखनलाल चतुर्वेदी की अधिकांश कविताएँ कहाँ लिखी गयी हैं?

(ङ) कवयित्री सुभद्रा कुमारी चौहान का जन्म उत्तर प्रदेश के किस जनपद में हुआ था?

(च) "आ _____ प्यारे स्वदेश आ,
स्वागत करती हूँ तेरा।"
—रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए।

(छ) 'भारत की श्रेष्ठता' नामक कविता का मूल स्वर क्या है?

(ज) कवि रामधारी सिंह का साहित्यिक उपनाम क्या है?

(झ) कवि रामधारी सिंह को किस काव्य-कृति पर ज्ञानपीठ पुरस्कार प्राप्त हुआ था?

(ञ) 'आ गये ऋतुराज' नामक कविता के कवि का नाम बताइए।

2. निम्नलिखित प्रश्नों के अति संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 2×5=10

(क) माखनलाल चतुर्वेदी के काव्य की किन्हीं दो कलापक्षीय विशेषताएँ लिखिए।

(ख) "सिंहासन खाली करो कि जनता आती है।" प्रस्तुत काव्य-पंक्ति का आशय बताइए।

(ग) दधीचि मुनि ने कब और किसलिए अपना अस्थिजाल दिया था?

(घ) सुभद्रा कुमारी चौहान के दोनों काव्य-संग्रहों के नाम बताइए।

(ङ) भारत की श्रेष्ठता से संबंधित किन्हीं दो बातों का उल्लेख कीजिए।

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **चार** के संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 5×4=20

(क) 'मनुष्यता' शीर्षक कविता का भावार्थ लिखिए।

(ख) "जनता तो चट्टानों का बोझ सहा करती,
मैं चाँदनियों का बोझ किसी विध सहता हूँ।"
—इन काव्य-पंक्तियों का आशय स्पष्ट कीजिए।

(ग) 'जनतंत्र का जन्म' शीर्षक कविता का मूल संदेश क्या है?

(घ) 'सिपाही' कविता का सारांश प्रस्तुत कीजिए।

(ङ) 'झाँसी की रानी' कविता के आधार पर रानी लक्ष्मीबाई की वीरता पर प्रकाश डालिए।

(च) 'आ गये ऋतुराज' कविता का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए।

4. सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 10×2=20

(क) हम दूसरों के दुःख को थे दुःख अपना मानते,
हम मानते कैसे नहीं, जब थे सदा यह जानते—
जो ईश कर्त्ता है हमारा दूसरों का है वही,
है कर्म्म भिन्न परन्तु सब में तत्त्व-समता हो रही॥

अथवा

चूड़ियाँ बहुत हुईं कलाइयों पर
प्यारे, भुज-दंड सजा दो,
तीर कमानों से सिंगार दो,
जरा जिरह बखतर पहना दो।

(ख) फूली सरसों ने दिया रंग,
मधु लेकर आ पहुँचा अनंग,
वधु-वसुधा पुलकित अंग-अंग,
है वीर वेश में किन्तु कन्त
वीरों का कैसा हो वसन्त?

अथवा

मैं रात के अंधेरे में
सितारों की ओर देखता हूँ,
जिनकी रोशनी भविष्य तक जाती है।
अनागत से मुझे यह खबर आती है
कि चाहे लाख बदल जाये,
मगर भारत भारत रहेगा।

5. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के सम्यक् उत्तर दीजिए : 10×2=20

(क) मैथिलीशरण गुप्त की कविताओं के प्रमुख स्वरों को सोदाहरण रेखांकित कीजिए।

(ख) "माखनलाल चतुर्वेदी ने ओजस्वी भाषा में राष्ट्रीयता और स्वदेशानुराग से संबद्ध कविताएँ लिखी हैं।" पठित कविताओं के आधार पर इस उक्ति की सार्थकता प्रमाणित कीजिए।

(ग) पठित कविताओं के आधार पर कविवर रामधारी सिंह की कविताओं की प्रमुख विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

(घ) सुभद्रा कुमारी चौहान की कविताओं की विषय-वस्तु पर सोदाहरण चर्चा कीजिए।

★★★